|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | ­ | ­ | | ­ | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | [https://img.mailinblue.com/3821803/images/rnb/original/61d86d8a37e7db5a3a585199.png](https://r.newsletter.ecoledesloisirs.fr/mk/cl/f/bZ6cDuyMj7lTgrgIhT_B84W2j0XEsxlGwwInEtVzMexd-J2RAV0rqL-ko9zRhxI_cuEsPUJgBWy-c-DRcAeETnWnb8TIuWemXVBxJFoT7x7u7zHBArZi9dlpVLQDO4243QEqSqgewUQ2NMgQ5uJeNemjHCck6WnRMKUkWJZ9EztMwJiYU_MWMpj4mPSFZJCyAsp1xgv6oWb4EYs) | | | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | **Novembre 2022** | | | |  | | --- | | **Bibliothécaires  •  Enseignants • Médiateurs** | | | | | ­ | | ­ | ­ | ­ | | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | |  | | | | | | | | | |
| |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  | | --- | | ­ | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  | | --- | | ­ | | [https://img.mailinblue.com/3821803/images/content_library/original/636a88e4fcb346192f5427b4.jpg](https://r.newsletter.ecoledesloisirs.fr/mk/cl/f/IbbckT5gamt7TvhGuNt6RPYWzlahveg-_BBJdzN1MARoUlckc6zegL002LM_WRTz2b8RV13JpGaajPcaTg6CPetwbMfymuqmChkBcW9TgC_kVeT0_jZ0Ax9W4WJP-raJdq6VBrJ7djffs6uV3WjQ5kJ0N-yRMc5d6qx_uLSCqm0S43Kl9lKiu40kxg7H6dkKDGSBoMV8iB4JdBjGaBj8q9yKcw43l-8LUuLJrRS0laS7dS9x1g) | | | | | | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | ­ | ­ | ­ | | ­ | |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | Philippe Corentin  Sous la dérision, la tendresse | | | |  | | --- | | ­ | | Philippe Corentin nous a quittés le 7 novembre 2022. Son humour ravageur n'avait d'égal que sa tendresse discrète.  Il n'aimait pas les biographies, alors n'en disons pas trop et regardons plutôt son roman-photo : des instants de vie, choisis et commentés par lui.   Arthur Hubschmid, son éditeur, lui rend hommage dans le texte ci-dessous. Quant à ses albums, ils resteront pour nous tous, incontournables. Continuons à rire en les lisant avec les enfants. | | | | | ­ | | ­ | ­ | ­ | | | | | |
| |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  | | --- | |  | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | ­ | ­ | ­ | | ­ | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | **Roman-Photo** | | | | | ­ | | | |  | | --- | | ­ | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | https://img.mailinblue.com/3821803/images/content_library/original/636a8aca8b46b84956359e04.gif | | | | | | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | ­ | ­ | ­ | | ­ | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  | | --- | | ­ | | Philippe Corentin, roman-photo extrait du livret *Mon écrivain préféré* | | | |  | | --- | | ­ | | **[Télécharger le livret](https://r.newsletter.ecoledesloisirs.fr/mk/cl/f/v7WhHShDv4x55EErJt5Os93ppPkhdjr87StNluqZAdw6MpbzQ5_kpWn9uzo6D_7r4bWP1Lj3ORhr3hEv4yo8lipMJp6QvcGQHZ-IluFCGfPOutCUeYHlw2IR6CncdyqtUrU7O66Vhi-8YSN4whnTON6_lejnTnLKVFkGefHqaltQjaHM9OMvjB0homEIKHRe4SxrLcWQDPcuKtxAVhfvRPwO_tu3jwWEn6rXVjgbN7BxUB1IFKVidbTVqmkErMeVWZ1ZVGkKI4ATMvyP" \t "_blank)** | | | ­ | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | ­ | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  | | --- | | ­ | | https://img.mailinblue.com/3821803/images/content_library/original/6369199c2308e5483e5761fc.jpg | | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | ­ | © Philippe Corentin | ­ | | | | | ­ | | ­ | ­ | ­ | | | | | |
| |  |  |  | | --- | --- | --- | | ­ | ­ | ­ | | ­ | ­ | ­ | | ­ | ­ | ­ | | ­ | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | **“Une histoire doit être faite non pour endormir les enfants mais pour les réveiller.”** | | | | | ­ | |
| |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | ­ | ­ | ­ | | ­ | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | Philippe Corentin est mort le 7 novembre 2022 à l'âge de 86 ans. Il a publié 21 albums à*l'école des loisirs*. Le premier *Mademoiselle tout-à-l'envers* en 1988 et le dernier *N'oublie pas de te laver les dents !*en 2009. Ces 21 livres forment une pléiade d'histoires drôles qui - fait très rare - font rire enfants et adultes.  Chacun de ses livres nous emmène dans un dédale de mauvaise foi qui pour Philippe fut toujours le fond commun de l'humanité. Avec candeur et tendresse, ces héros s'obstinent dans des aventures grandiosement échafaudées, finissant toujours avec un éclat de rire. Il était maître dans l'art de combiner les images et les mots. Il n'illustrait pas, il contait avec mots et images. C'est ensemble, en se complétant, qu'ils font sens, et qu'ils nous font rire.  Ses héros, les Zigomar, Pipioli, Mademoiselle Sauve-qui-peut ou tout-à-l'envers, ont la truculence et la mauvaise foi chevillées au corps. “Quel talent, hein !" s'exclamait-il quand il venait nous présenter ses projets. C'était de l'autodérision, évidemment. Maintenant, nous approuvons tous. Philippe nous a fait rire les premiers, puis il a fait rire ses lecteurs, enfants et parents. En France d'abord, puis dans le monde entier. Et oui, c'est triste, il n'y aura plus de nouveau livre de Philippe Corentin. Mais ses livres, eux, restent et continueront à nous faire rire.  **Arthur Hubschmid**,  éditeur de Philippe Corentin et co-fondateur de *l'école des loisirs* | | | | | ­ | | ­ | ­ | ­ | | | | | |
| |  |  |  | | --- | --- | --- | | ­ | ­ | ­ | | ­ | ­ | ­ | | ­ | ­ | ­ | | ­ | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | **“Une pléiade d'histoires drôles qui font rire enfants et adultes”** | | | | | ­ | |
| |  |  |  | | --- | --- | --- | | ­ | ­ | ­ | | ­ | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | [https://img.mailinblue.com/3821803/images/content_library/original/636aab2ae1b3087caa77dc1f.](https://r.newsletter.ecoledesloisirs.fr/mk/cl/f/UmN2WVP_jedBfNQM8SWaeCqo3kPyI-jVfO7bahHCt-rEpHgdWSS12tPgZ6UNRs38XZc_HvD-jmnV5BIn2XY9AXlf6sd8VG0sbwzkVQ2V77P8ZICWOAim9WO-Ubog-I28hbmRNDKqM2ikN_wYcli1EV5FNpDDWpnytIXf9oKnCmZ1llP8pN80-4ZIUQ0Zi86TZ1MaWhtrO7kyTeI_Nq0QZqQSe-Q_SXF0HgIY_MA2p4Ij9nksgqIIFRF7pvaGAQ) | | | ­ | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | ­ | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | [https://img.mailinblue.com/3821803/images/content_library/original/636aab22bbeafb7a7416eb6d.png](https://r.newsletter.ecoledesloisirs.fr/mk/cl/f/uPZYQTbh9DIjnVtvafR1Q-_S0lhMwBge3nbUbzJggEXfSWZMnz148PpHIxRKrUy4cJK92qo170t3_GK70iF0Kyx6_VwgSHRmuQ7bF0hiBm2nPG9R6keGgFAcvsz3ISDDHrd2R-Yjjho0Qf5hQd-r6lcCitWRT5Nk9CKiil7-kzzCdBIk9QwRwRFYGuvUifta7Hf4-tGmE9g5daslC8msqSJ9x17ZeSr6KGM3bfe-CW2ZEI7tQhkbkrxuLmyV) | | | ­ | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | ­ | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | [https://img.mailinblue.com/3821803/images/content_library/original/636aaaf9c816c61f8961d03e.](https://r.newsletter.ecoledesloisirs.fr/mk/cl/f/u2oK62vaSwm_t4kqBn24ScMHdIC4e5A57SOihf36Rz-3QKqI2H6F2BksEtdVby7uB1C8IcyNCBBEDunhjhnTw22hjDpjU3H0VJrBKStPfkyqQJ6t_s95JM3Uj9pIXieqGJoNG_v-JdDRmVzqoRmVlwo7IJO4OqFOuWx-rykL01SSXztxlF2_bJexIzM1KgX-9WNPN6bhWN7B161F4CpGd2-UnjJrci__lbQXelDmzESL4WM9kC7eWX4) | | | | | ­ | | ­ | ­ | ­ | |
|  |
|  |

[**Tous ses livres**](https://www.ecoledesloisirs.fr/auteur/philippe-corentin)